विद्या समाचार पत्रिका

विद्या भारती, झारखंड के गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाला त्रैमासिक पत्र

राँची * अप्रैल-जून 2022 *चैत्र कृष्ण - आषाढ़ शुक्ल * विक्रम संवत् 2079 * वर्ष 2, अंक 5

संपादकीय

आदरणीय बंधु/भगिनी,

सादर नमस्ते!

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को हमने हिन्दु नव वर्ष के रूप में बड़े ही धूमधाम से मनाया। एक दूसरे को हमने बधाईयाँ दी और ली भी। नव चैतण्य हिलोरे लेने लगा। जीवन में नई उमंगे अंगड़ाइयाँ लेने लगी। हमने नई ऊर्जा के साथ नवीन सत्र, हवन-पूजन के साथ प्रारंभ किया।

विद्यालयों में फिर से उत्साह एवं विश्वास का वातावरण दिखने लगा। कोरोना की काली छाया को हम पीछे छोड़कर, आगे बढ़ गए हैं।

माध्यमिक स्तर के विद्यालयों का परीक्षा परिणाम भी उत्साह वर्द्धक रहा। सरस्वती विद्या मंदिर, लातेहार के भैया पूरे राज्य में द्वितीय स्थान पर आए यह हमारे लिए अतीव गर्व का विषय है। इसके लिए भैया **राहुल रंजन तिवारी** एवं उनके माता-पिता, विद्यालय परिवार धन्यवाद के पात्र हैं। मेधावी छात्रों को स्थान-स्थान पर सम्मानित किया जा रहा है। राज्य के पी सी एस परीक्षा में तथा यू पी एस सी परीक्षा में हमारे राज्य एवं शिशु विद्या मंदिर के कई भैया/बहन ऊँचे स्थान पर आए, वे सभी बधाई के पात्र हैं।

भारत की प्राचीण विद्या **'योगशास्त्र'** को पूरे विश्व में कल्याणार्थ प्रसारित करने के लिए 21 जून को हम विश्व योग दिवस के रूप में मनाते हैं। इसे पूरे धूम-धाम से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। योगशास्त्र के माध्यम से हमें जीवन को सरल बनाना है एवं प्रज्ञावान बालक का सृजन करना है। ऐसी हमारी मान्यता है। हृदय में हमारे प्रेम है लेकिन शक्ति भी हमारे कर में प्रबल हो ऐसा विचार करना होगा।

शक्ति की उपेक्षा कभी नहीं की जा सकती, यह प्रकृति का नियम है। कहा भी गया है,

''जग नहीं सुनता, कभी दुर्बल जनों का शान्ति-प्रवचन।
झुकाता है उसे जो न कर सके रिपु-मान-मर्दन''।।

स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव हमने वर्ष भर मनाया। अनेक कार्यक्रमों को इस हेतु समर्पित किया गया।

भारत की चेतना जागृत हो रही है। भारत आगे बढ़ रहा है।

भारत जननी एक हृदय हो,
एक राग अन्तर में सजकर
झंकृत करे हृदय तन्त्री को,
स्नेह भाव प्राणों के लय हो
एक राष्ट्र का चिन्तन मन में,
कोटि-कोटि जनता की जय हो।
भारत जननी एक हृदय हो।

मनोज कुमार
विद्या विकास समिति, झारखंड

नई शिक्षा नीति को आधार मानकर आचार्य खुद को तैयार करें : मोहंत

विद्या विकास समिति की ओर से आचार्य प्रशिक्षण सत्र

राँची | भारत केंद्रित शिक्षा जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में आई है, उसे हमें मूर्त रूप देना है। इसके लिए शिक्षार्थ आइए सेवार्थ जाइए की नीति को धारण कर आचार्य व्रत के साथ आप भारत के युवा पीढ़ी का निर्माण करेंगे। उक्त बातें विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के राष्ट्रीय संगठन मंत्री गोविंद चंद्र मोहंत ने कहीं। उन्होंने विद्या विकास समिति झारखंड के तत्वाधान में श्री कृष्ण चंद्र गांधी शैक्षिक नगर कुदलुम में 20 दिवसीय स्थाई एवं नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग के दीक्षांत सत्र में कहीं। मोहंत ने कहा कि देश के लिए शिक्षा ही हमारा उद्देश्य है। विद्या भारती के आधारभूत विषयों तथा लक्ष्य के अनुरूप अपने विद्यालयों में शिक्षा का आदान-प्रदान किया जाता है। विद्या भारती की पंचपदी शिक्षा पद्धति पुरानी शिक्षा पद्धति नहीं है। आज शिक्षण कौशल में परिवर्तन हुआ है। इस परिवर्तन के साथ हमें समाज के अंतिम व्यक्ति को भी शिक्षा मिले, इसे कर्तव्य मानकर पालन करना है। इस प्रशिक्षण वर्ग में आप सभी ने जो सामूहिक जीवन जीने का कौशल सीखा है, इस सामूहिकता में ही देश की समृद्धि छिपा है। विद्या भारती उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के क्षेत्रीय मंत्री रामअवतार नरसरिया ने कहा कि विद्या भारती का ध्येय वाक्य "सा विद्या या विमुक्तए "है, इस ध्येय वाक्य को सफल बनाते के लिए हमने यहां पर जो अनुशासन और दिनचर्या सीखी है, उसका पूरा-पूरा पालन करेंगे। विद्या विकास समिति झारखंड के प्रदेश सचिव अजय तिवारी ने दीक्षांत समारोह में 20 दिनों की गतिविधियों का वृत्त प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्या भारती उत्तर-पूर्व क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम, रांची जिला के जिला कार्यवाह डॉ. सुनील महतो आदि उपस्थित थे।

हिंदू नव वर्ष पर प्रभात फेरी
सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सीनी, प. सिंहभूम

नवीन एवं स्थायी आचार्य प्रशिक्षण वर्ग 2022 कुदलुम, राँची में अखिल भारतीय संगठन मंत्री माननीय गोविन्द चन्द्र महंत जी का आचार्यों को पाथेय।

जयंती पर याद किये गये बाबू वीर कुंवर सिंह

वीर कुंवर सिंह के चित्र पर माल्यार्पण करते विद्यार्थी व शिक्षक-शिक्षिकाएं.

रामगढ़ . रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती विद्या मंदिर में शनिवार को बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती धूमधाम से मनी. उद्घाटन प्रभारी प्रधानाचार्य अनिल कुमार राय ने वीर कुंवर सिंह की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया. मौके पर वक्ताओं ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह ने 80 वर्ष की उम्र में गोरिल्ला युद्ध से अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिये थे. शिक्षक महेश्वर महतो ने कहा हमें ऐसे महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है. कार्यक्रम में विद्यार्थियों व शिक्षकों ने भी बाबू वीर कुंवर सिंह की जीवनी पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर प्रबंध समिति के सचिव शंकर लाल अग्रवाल, कन्हैया कुमार, दिनेश महतो, श्रीकांत द्विवेदी, संगीता मिश्रा ,लक्ष्मण महतो, गौरीशंकर अग्रवाल, जयदेव पंडित, मनोज कुमार, सुनील कुमार, योगेंद्र प्रसाद सिंह, दयाशंकर तिवारी, प्राण रंजन कुमार, दयाशंकर उपाध्याय, बबीता रानी, शैलेंद्र कुमार सिंह, अंजू कुमारी, अमर लाल महतो, रवि खंडेलवाल ,नागेश्वर साव, दीपक कुमार, कुमकुम झा, सोमा चाकी व मीडिया प्रमुख विकास कुमार कुशवाहा उपस्थित थे.

विद्यालय में मनाया गया ग्रीन डे, बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पिस्का नगड़ी : आदित्य प्रकाश जालान सरस्वती विद्या मंदिर में मनाया गया हरित दिवस। इस अवसर पर बच्चे हरे रंग के परिधानों में बहुत ही प्रफुल्लित दिखाई दिए। स्कूल के छोटे छोटे भैया बहनों ने एक-एक पौधा लगाया और स्वयं द्वारा लगाए पौधे की देखरेख की शपथ ली। पर्यावरण हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है इस विषय पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री जितेंद्र तिवारी ने बड़ी अच्छे ढंग से व्याख्या की। उन्होंने कहां की पर्यावरण है सबकी जान, वृक्ष लगाकर करो उसका सम्मान। इस शुभ अवसर पर विद्यालय के आचार्य जी दीदी जी भी हरे रंग के परिधानों को पहनकर बच्चों के साथ बड़ी उत्साह के साथ हरित दिवस मनाया। संपूर्ण कार्यक्रम दीदी जी श्रीमती सुप्रिया सिन्हा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफलता प्रदान करने के लिए विद्यालय के सभी आचार्य एवं दीदी जी के साथ साथ सभी गैर शैक्षिक कार्यकताओं का संपूर्ण योगदान रहा।

विद्या समाचार पत्रिका

विद्या भारती, झारखंड के गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाला त्रैमासिक पत्र

दादा दादी नाना नानी सम्मान समारोह

बड़े-बुजुर्ग के प्रति सम्मान का भाव रखें : डीइओ

प्रभात खबर दिनांक 04.07.2022

कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं.

- सरस्वती विद्या मंदिर में दादा-दादी, नाना-नानी सम्मान समारोह आयोजित

प्रतिनिधि,लातेहार

शहर के धर्मपुर पथ में स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के सभागार में रविवार को दादा-दादी, नाना-नानी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा पदाधिकारी निर्मला कुमारी बरेलिया, विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष राजीव रंजन पांडेय, कोषाध्यक्ष ज्योति चौधरी व प्रधानाचार्य अरुण कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित व पुष्पांजलि कर किया. मौके पर छात्रों द्वारा अपने दादा-दादी व नाना-नानी का पैर प्रक्षालन, आरती व तिलक लगा कर सम्मानित किया गया. मौके पर डीइओ श्रीमती बरेलिया ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में भारतीय संस्कारों की जानकारी देना है. उन्होंने कहा कि बड़ों के प्रति सम्मान का भाव रखना जरूरी है. उपाध्यक्ष श्री पांडेय ने कहा कि प्रत्येक विद्यालयों में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए. सचिव श्री पांडेय ने कहा कि कहा अगर व्यक्ति संस्कारी बनता है, तो वह सदैव अपने जीवन में ऊंच शिखर तक पहुंच जाता है. प्रधानाचार्य श्री चौधरी ने कहा कि अतिथियों को सत्कार व बड़ों का सम्मान करना हमारी प्राचीन सभ्यता रही है. कार्यक्रम में दादा-दादी व नाना-नानी को हनुमान चालीसा व अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया. संचालन रजनी नाग व गीता कुमारी तथा धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष श्रीमती चौधरी ने किया. इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कक्षा आठ प्रतिभा, एंजेल व आरती ने जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा गीत पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर लोगों को भाव-विभोर कर दिया. अन्य कार्यक्रमों में आकृति, रोशी, समृद्धि, रुद्रांश,जय, सौम्या, प्रेरणा, अभ्यांश व अमर आदि ने भाग लिया. मौके पर विद्यालय समिति सदस्य दिनेश कुमार महलका, मनीष कुमार सिंह के अलावा आचार्य लाल बहादुर राम, शशिकांत पांडे, विजय कुमार पाठक, ओंकारनाथ सहाय, ममता त्रिपाठी, सुरेश ठाकुर, अभिनय कुंभकार, रेणु गुप्ता, गोपाल प्रसाद, रितेश रंजन गुप्ता, पूनम गुप्ता, आलोक कुमार पांडेय, गीता कुमारी, फूलचंद कुमार सिंह, रविकांत पाठक, रवींद्र पांडेय, दीपक कुमार शर्मा, विकास कुमार गुप्ता, श्वेता श्रीवास्तव, प्रवीण प्रसाद यादव, अनुजा कुमारी, शिल्पा कुमारी, उपासना कुमारी, उमेश कुमार सिंह उपस्थित थे.

दादा-दादी, नाना-नानी सम्मान समारोह

भूली. दादा-दादी, नाना-नानी परिवार में स्तंभ की तरह होते हैं. वे कथा कहानियों के माध्यम से बच्चों में संस्कार का सृजन करते हैं. विद्या भारती ने परिवार में दादा-दादी व नाना-नानी के महत्व को बताने व उनका सम्मान बढ़ाने के उद्देश्य से बहुत ही सराहनीय कार्यक्रम शुरू किया है. यह कहना है विधायक राज सिन्हा का. वह गुरुवार को सरस्वती विद्या मंदिर भूली में आयोजित दादा-दादी, नाना-समारोह को संबोधित कर रहे थे. मुख्य वक्ता विद्या विकास समिति झारखंड के सचिव अजय कुमार तिवारी ने कहा : दादा-दादी, नाना-नानी परिवार में उस वृक्ष की तरह होते हैं, जो छोटों को स्नेह की शीतल छाया प्रदान करते हैं. विद्यालय के सचिव डॉ एसके दास व प्राचार्य शिव बालक प्रसाद ने भी संबोधित किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता अंनत नाथ सिंह ने की. संचालन डॉ उमेश कुमार सिंह ने व धन्यवाद ज्ञापन अनुराधा कुमारी ने किया. कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र से हुआ.

'350 ग्राम पॉलिथीन 100 स्क्वायर फीट जमीन को चार से 500 वर्षों तक के लिए बना सकता है बंजर'

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

पिस्का नगड़ी : प्रकृति पूजक भारत का स्थान वृक्ष लगाने में विश्व में आठवें स्थान पर है। डब्ल्यूएचओ के मानक के अनुसार 422 वृक्ष प्रति व्यक्ति होना चाहिए लेकिन भारत में प्रति व्यक्ति मात्र 28 वृक्ष ही है। वृक्ष लगाने के साथ-साथ पर्यावरण को बचाने के लिए इको ब्रिक बनाना भी अनिवार्य है। उक्त बातें विद्या विकास समिति झारखंड के तत्वावधान में आयोजित नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग में विद्या भारती के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पर्यावरण संयोजक उत्तम मुखर्जी ने पर्यावरण विषय पर सत्र लेते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ मानक के अनुसार प्रति व्यक्ति वृक्षों की संख्या 422 होनी चाहिए जबकि भारत में इसकी संख्या 28 है। हम प्रकृति पूजक हैं फिर भी पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से हमारे कार्य विश्व के लिए अनुकरणीय नहीं बन पाया है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन काल में 1 टन कागज उपयोग करता है और इसका अर्थ है कि इसके लिए 17 पेड़ और 40000 लीटर पानी खर्च होता है। अगर हम रीसाइकिल्ड पेपर का उपयोग करें तो इसमें मात्र 1000 लीटर पानी का व्यय होगा और 17 पेड़ भी बचेंगे। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तीन बिंदुओं पर कार्य किया जाना है जिसमें पेड़ लगाना, पानी का संरक्षण करना और पॉलिथीन हटाना शामिल है। धीरे-धीरे विद्या भारती के विद्यालयों को पॉलिथीन मुक्त बनाया जा रहा है। डेली यूज पॉलिथीन बड़ी समस्या बनी है। अतः इसके लिए इको ब्रिक बनाकर इसका फैलाव रोका जाएगा। 350 ग्राम पॉलिथोन 100 स्क्वायर फीट जमीन को चार से 500 वर्षों तक के लिए बंजर बना सकती है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सभी को ऑक्सीजन के महत्व को बताने वाली वीडियो दिखाई गई।

जेपीएससी में सफलता पाने वाले पूर्ववर्ती छात्र व दसवीं के छात्रों को किया गया सम्मानित

सिसई(गुमला) : प्रखंड के रंजीत नारायण सिंह विद्या मंदिर कुदरा में गुरुवार को सम्मान व विदाई समारोह आयोजित कर जेपीएससी परीक्षा में 107 वां रैंक प्राप्त करने वाले विद्यालय के पूर्ववती छात्र विपिन कुमार साहु एवं 2022 के दशवीं कक्षा में शत प्रतिशत सफलता प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें विदाई दी गई। समारोह में स्कूल के छात्र - छात्राओं ने मनमोहक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ललन सिंह ने कहा कि स्कूल से संस्कार युक्त उच्च शिक्षा प्राप्त कर विपिन जैसे छात्रों ने स्कूल सहित प्रखंड व जिले का नाम रौशन किया है। कार्यक्रम में शिक्षक मृत्युंजय कुमार मिश्र, दिलीप गुप्ता, रवि साहु, अरुण नारायण सिंह, कौशल्या कुमारी, सहित शिक्षक,प्रबंधन समिति व छात्र छात्राएं मौजूद थे।

मुसाबनी बीडीएसएल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मासांत की हुई बैठक, कहा

समय के अनुसार अपडेट हों शिक्षक

प्रतिनिधि,मुसाबनी

बैठक में आचार्य और दीदी.

शनिवार को बीडीएसएल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मुसाबनी में मासांत की बैठक हुई. इसमें मुख्य रूप से रोल ऑफ टेक्नोलॉजी इन क्लास रूम मैनेजमेंट पर केंद्रित आचार्य तथा दीदी ने अंग्रेजी, हिंदी, गणित, संगणक एवं सामाजिक विज्ञान पर जानकारी दी. विद्यालय के सचिव बाबूलाल सिंह ने पढ़ाई में तकनीक को शामिल करने पर जोर देते हुए कहा कि आज के शिक्षकों को बदलते समयानुसार खुद को अपडेट करते रहना होगा, क्योंकि आज के हमारे बच्चे हाइटेक दुनिया के हैं. समय की मांग है कि पढ़ाई छात्र केंद्रित हो एवं स्मार्ट और कौशल विकास आधारित एजुकेशन पर बल दिया जाये. विद्यालय के सभी संसाधनों का बच्चों के विकास के लिए भरपूर उपयोग किया जाये. विद्यालय की प्राचार्या रूमी सरकार ने क्लास रूम मैनेजमेंट के अंतर्गत 10 बिंदुओं पर बल दिया, जिसमें आदर्श व्यवहार से लेकर कक्षा-कक्ष की गतिविधियां, व्यक्तित्व विकास से लेकर एकेडमिक विकास तक एवं अनुशासन पर विशेष प्रकाश डाला. कार्यक्रम में तरमीम, सुप्रिया, विशाल, आनंद एवं स्नेहांशु ने अपना प्रेजेंटेशन दिया एवं समस्त आचार्य तथा दीदी की ओर से कई सुझाव आये कि बच्चों को किस प्रकार कक्षा में बेहतर एवं प्रभावी रूप से इंगेज किया जाये. कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त विद्यालय परिवार श्रवन गुप्ता, मंजुला दास, इंद्रदेव झा, युधिष्ठिर साहू, पुतुल, मिथिलेश पांडेय, पीयूष, तपन मिश्र, शंभु शर्मा, शंभु मिश्रा, विशाल रजक, विजय पाल, तरमीं जमा, जिबानंद पाल, भरत, सतीश, ललिता, सरिता, ईशा, नीता आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

सरस्वती विद्या मंदिर में बाल संसद का शपथ ग्रहण

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बाघमारा / शनिवार को सरस्वती विद्या मंदिर सिनिडीह में बाल संसद का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि सिनिडीह पंचायत के मुखिया सुमन देवी , विशिष्ट अतिथि मुखिया प्रतिनिधि बिट्टू चौहान शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे। शपथ ग्रहण के पूर्व दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार सिंह , उप प्राचार्य दुर्गेश नंदन सिन्हा , मुखिया सुमन देवी , मुखिया प्रतिनिधि बिट्टू चौहान के द्वारा संपन्न हुआ । इस शपथ ग्रहण समारोह में ऐसे भैया बहनों को शपथ दिलाया गया जो पूर्व में विद्यालय संसद के लिए चुने गए थे। शपथ ग्रहण समारोह में भैया बहनों के बीच विभागों का बंटवारा किया गया एवं उन्हें उनके कर्तव्यों से अवगत कराया गया। विद्यालय के उप प्राचार्य दुर्गेश नंदन सिन्हा ने बाल संसद की उपादेयता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विद्या भारती योजना में बाल संसद की अहम भूमिका होती है। चूँकि भारत प्रजातांत्रिक देश है अतः विद्या भारती के विद्यालय भी प्रजातंत्र के उन्हीं नियमों का पालन करता है। विद्यालय संसद की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार सिंह ने कहा कि हमारा हर कार्य प्रजातांत्रिक ढंग से संपन्न होता है। भैया बहनों में नेतृत्व का विकास हो अतः विद्या भारती ने यह संकल्पना की कि विद्यालय स्तर से ही उनमें नेतृत्व करने की क्षमता का विकास हो। उन्होंने बताया कि हमारी कल्पना है कि विद्यालय का कार्य सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए भैया बहनों की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। अतः विद्यालय में शपथ ग्रहण समरोह के साथ साथ उन्हें कार्यभार भी सौंपा गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी आचार्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

कैलाश राय की खो-खो टीम बनी उप विजेता

झुमरीतिलैया. विद्या विकास समिति झारखंड के तत्वावधान में 33वां प्रांतीय खेलकूद का आयोजन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कुम्हारटोली में हुआ. इसमें समिति के अधीन चलने वाले करीब सभी विद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया.सामूहिक खेल कबड्डी व खो-खो में कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर झुमरीतिलैया के विद्यार्थियो का प्रदर्शन सराहनीय रहा. किशोर वर्ग की छात्राओं की टीम खो-खो में उप विजेता बनी. वहीं बाल वर्ग की खो-खो की टीम तीसरे स्थान पर रही. इस उपलब्धि पर प्राचार्य शर्मेंद्र कुमार साहू ने बच्चों को पदक देकर सम्मानित किया. साथ ही छात्राओं की कोच अर्चना सिन्हा को शॉल ओढ़ा कर सम्मानित किया. मौके पर आचार्य मनोज कुमार सिंह, प्रदीप कुमार, रामानुज पांडेय, डॉ धीरेंद्र कुमार सिंह, पवन कुमार शर्मा, मुरलीधर सिंह, विजय कुमार मिश्रा, दीपक कुमार विश्वकर्मा, चंद्रशेखर कुमार, कृष्ण कुमार नवीन, संजय महतो, रानी प्रसाद, श्वेता श्रीवास्तव, शर्मिष्ठा साहा, टिंकू कुमार, प्रिया राज व अन्य मौजूद थे.

टिंकरिंग लैब बनने से विद्यार्थियों में होगी वैज्ञानिक सोच विकसित: अजय

जागरण संवाददाता, लातेहार : सरस्वती विद्या मंदिर के प्रांगण में रविवार को अटल टिंगरिंग लैब का उदघाटन मुख्य अतिथि विद्या विकास भारती के प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी ने नारियल फोड़कर व शिलापट्ट अनावरण कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश सचिव ने कहा कि राष्ट्र संघठन निर्माण को लेकर अच्छी शिक्षा जरूरी है। बच्चों के भविष्य के चिंतन को लेकर हमलोगों के लिए ज्वलंत मुद्दा है। विज्ञान और तकलीफ पर विशेष ध्यान दिया गया। आज देश में रिसर्च हो रहा है लेकिन सर्च नहीं हो रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के विभिन्न जिलों के तीन हजार विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब बनाया गया है। विद्यालय में टिंकरिंग लैब बनने से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित होगी। विद्यार्थियों की विज्ञान विषय में रुचि में विस्तार करके उनकी भीतरी वैज्ञानिक प्रतिभा को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह लैब जिले के पहली लैब है, इससे एक-एक प्रतिभा ऐसी होनी चाहिए कि इस जिले का नाम रोशन करें तो इस लैब का खुलना सार्थक है। इस विद्यालय से पहले भी कई प्रतिभा ने जिले का नाम रोशन किया है। इस दौरान बच्चों द्वारा बनाए गए माडल देखकर उससे जुड़े सवाल पूछे गए। विभाग निरीक्षक नीरज लाल जी ने कहा कि आज विज्ञान का युग है और हमें वैज्ञानिक सोच के साथ शिक्षा पद्धति को गति प्रदान करनी होगी। इस लैब से विद्यार्थी लाभांवित होंगे। जिला संघ सचालक राजमणी प्रसाद ने कहा की केन्द्र सरकार के सहयोग से युवाओं में कौशल विकास के उद्देश्य से इसकी स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि शराब जैसे नशे से दूर रहने को लेकर बच्चों ने जो थीम बनाकर पेश किया है इससे रोकने के लिए भी कारगार साबित होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते विद्या भारती के प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी● जागरण

ऑर्किड हेल्थ बुले

इंदुमती टिबड़ेवाल विद्यालय के पूर्व छात्रों को जेपीएससी परीक्षा में मिली सफलता, बनेंगे प्रशासनिक पदाधिकारी

चतरा (प्रातः आवाज)। स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल विद्यालय दीभा, चतरा के पूर्व छात्र प्रशांत कुमार और बिपिन कुमार ने 7वीं झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रौशन किया है। इसकी जानकारी देते हुए विद्यालय के प्राचार्य पवन कुमार दास ने बताया कि बिपिन वर्ष 2010 में और प्रशांत वर्ष 2012 में इंदुमती टिबड़ेवाल विद्यालय के छात्र रहे है। ये दोनों बच्चे विद्यालय में प्रारंभिक काल से ही मेधावी छात्र रहे है। बताते चले कि मूलतः चतरा जिला के गिद्धौर के रहने वाले प्रशांत कुमार को 39वां रैंक मिला है, वही चतरा जिले के जोरी के रहने वाले बिपिन कुमार को 185वां रैंक मिला है। प्रशांत कुमार और बिपिन कुमार डीएसपी बनेंगे। बिपिन उच्चतर शिक्षा रांची से की और इसके तैयारी में लगातार लगे रहे। वही बीआईटी मेसरा के छात्र रहे प्रशांत कुमार काफी होनहार हैं। वे सामाजिक कार्यो के लिए राष्ट्रपति से सम्मानित हो चुके हैं। साथ ही इंटरनेशनल यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत दक्षिण कोरिया में भारत का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं। प्रतिभा के धनी प्रशांत दसवीं की पढ़ाई स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर, चतरा से उसके बाद उच्च शिक्षा हेतु प्रशांत ने बीआईटी मेसरा से केमिकल इंजीनियरिंग करने के बाद एक निजी कंपनी में बतौर सहायक प्रबंधक का कार्य भी किया है। प्रशांत के सुझाव को पीएमओ ने भी स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने प्रशांत के कई सुझाव जैसे एक देश एक कॉल रेट (रोमिंग फ्री), वृद्धावस्था पेंशन घर-घर तक पहुंचना, सड़क निर्माण के दौरान रिप्लांटेशन मशीन का उपयोग, सड़क दुर्घटना के बचाव से संबंधित, अंगदान की चर्चा मन की बात में करना आदि माना है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इनके सुझाव पर झारखंड में दिव्यांगों की परीक्षा शुल्क माफ किया है। भैया प्रशांत और भैया बिपिन की इस अपूर्व सफलता से पूरा विद्यालय परिवार गौरवान्वित है। इस गौरवशाली उपलब्धि के लिए भैया प्रशांत और भैया बिपिन को विद्यालय प्रबंध कार्यकरिणी समिति के द्वारा सम्मानित किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष संतन पांडेय, सचिव संजय सिन्हा, कोषाध्यक्ष मुकेश साह, प्राचार्य पवन कुमार दास, प्रभारी अयोध्या प्रसाद सिंह, अजय रजक, सरिता गुप्ता सहित समस्त आचार्य व आचार्यो ने उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं एवं हार्दिक बधाई दी है।

● प्रशांत कुमार।

● बिपिन कुमार।

जैक ने जारी किया मैट्रिक परीक्षा का परिणाम, विद्यार्थियों में हर्ष

एसवीएम के राहुल ने 97.8 प्रतिशत अंक लाकर स्टेट टॉप टेन में पाया दूसरा स्थान

प्रतिनिधि,लातेहार

जैक की तरफ से 21 जून को जारी मैट्रिक के परीक्षाफल में शहर के सरस्वती विद्या मंदिर (धर्मपुर) के छात्र राहुल कुमार तिवारी ने सर्वाधिक 97.8 प्रतिशत अंक लाकर न सिर्फ लातेहार जिला में टॉप हुए, बल्कि पूरे राज्य में दूसरा स्थान प्राप्त किया है. विद्यालय के आर्यन कुमार व सूरज कुमार ने 97 प्रतिशत अंक लाकर जिले में दूसरा व प्रीति कुमारी ने 96.6 प्रतिशत अंक लाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया है. राहुल ने प्रभात खबर से बातचीत में बताया कि वह आइएएस अधिकारी बन कर देश की सेवा करना चाहता है. साधारण परिवार से आने वाले राहुल के पिता बाल मुकुंद तिवारी पेशे से एक ट्रांसपोर्टर हैं. उसकी माता पूनम देवी ने बताया कि राहुल बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि का था. सरस्वती विद्या मंदिर प्राचार्य अरुण कुमार चौधरी ने राहुल समेत अन्य छात्रों की सफलता पर प्रसन्नता जताते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है.

जिले में मैट्रिक के टॉप छात्रों की सूची

अपनी माता को मिठाई खिलाते राहुल.

नाम	अंक
राहुल कुमार तिवारी	489
आर्यन कुमार	485
सूरज कुमार	485
प्रीति कुमारी	483
रुद्र प्रताप सिंह	480
रिया पासवान	480
अंशराज व रितिका मिंज	479
मेघा कुमारी व नेहा एक्का	478
आकांक्षा कुमारी चंद्रा, कुमारी	476
अनामिका व प्रीतम कुमार	476
सुजाता कुमारी	475
शिखा कुमारी	475
अमन कुमार	475
अंजली कुमारी	473

आर्यन कुमार. 21late26 21late26 21late26 21late26

इंटर विज्ञान में कुंदन बना जिला टॉपर

लातेहार. झारखंड अधिविद्य परिषद रांची द्वारा जारी इंटर विज्ञान संकाय के परीक्षाफल में जिले के राजकीयकृत प्लस टू उवि का छात्र कुंदन कुमार ने सर्वाधिक 480 अंक लाकर जिला टॉपर बना हैं, जबकि विनीत भगत 470 अंक लाकर दूसरा स्थान प्राप्त किया है. मारिया जेबुर व स्टीवन गिलबर्ट मुंजनी ने 448 अंक लाकर जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किये हैं. शशांक कुमार ने 445 व आशीष उरांव ने 444 अंक लाकर क्रमशः चौथा व पांचवां स्थान प्राप्त किया है.

2022-6-22 06:

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद जरूरी: विधायक

संध्या हिंदी खबर

हजारीबागः सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कुम्हारटोली, हजारीबाग में 33 वां क्षेत्रीय कबड्डी एवं खो- खो प्रतियोगिता समारोह- 2022 का शानदार समापन शुक्रवार को हुआ। समापन समरोह में बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग सदर मनीष जायसवाल, मुख्य वक्ता विभाग प्रचारक हजारीबाग कुणाल जी, विशिष्ट अतिथि जिला संघचालक, आरएसएस हजारीबाग डॉ तारा कांत शुक्ला, विद्यालय प्रबंधन कार्यकारिणी समिति के संरक्षक बृजमोहन केसरी, अध्यक्ष सह समाजसेवी श्रद्धानंद सिंह, कोषाध्यक्ष प्रो.अरुण कुमार मिश्रा, उपाध्यक्ष संजय उपाध्याय सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित हुए और कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश पूजन, नमन एवं वंदना के साथ हुआ। विद्यालय प्रबंधन से जुड़े प्रमुख लोगों द्वारा सदर विधायक मनीष जायसवाल सहित अन्य आमंत्रित अतिथियों का बारी- बारी से शॉल ओढ़ाकर, श्रीफल और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। मौके पर समारोह को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि मनीष जायसवाल ने कहा ने कहा विद्या भारती के स्कूल भारत के बेस्ट स्कूलों में से हैं क्योंकि वहां संस्कार के साथ शिक्षा देकर बच्चों का सर्वांगीण विकास की ओर अग्रसर कर एक आदर्श नागरिक के साथ राष्ट्र के प्रति आत्मीय प्रेम की भावना जागृत की जाती है। श्री जायसवाल ने विजेता प्रतिभागियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की। मुख्य वक्ता, विभाग प्रचारक हजारीबाग कुणाल जी ने अपने उद्बोधन में कहा की जीवन में जिन संस्कार गुण निर्माण और समाज निर्माण की व्यवहारिक दक्षता जरूरी है
संघचालक डॉ तारा कांत शुक्ला ने कहां की खेल शिक्षा का एक प्रमुख अंग है।

वर्तमान शिक्षा सिर्फ सैद्धांतिक शिक्षा पद्धति बनकर रह गई है जबकि प्राचीन शिक्षा व्यवहारिक और सैद्धांतिक हुआ करती थी। उन्होंने कहा कि व्यवहारिक ज्ञान के बिना सैद्धांतिक शिक्षा का कोई मोल नहीं है। कार्यक्रम में वृत्त निवेदन गौरी शंकर सिंह, प्रांतीय खेलकूद प्रमुख ने पुरस्कार वितरण ,आचार्य मदन मोहन राय ने, मंच संचालन विवेक नयन पांडेय, विभाग प्रमुख, धनबाद विभाग ने एवं धन्यवाद ज्ञापन ,हजारीबाग विभाग के विभाग निरीक्षक ओम प्रकाश सिन्हा ने किया। मौके पर हजारीबाग विभाग के सह विभाग प्रमुख तुलसी प्रसाद ठाकुर एवं अन्य पूर्णकालिक सुरेश मंडल , राजेश जी, फणींद्र झा एवं विद्यालय प्रबंध कारिणी समिति के संरक्षक ब्रजमोहन केसरी ,अध्यक्ष श्रद्धानंद सिंह ,कोषाध्यक्ष प्रोफेसर अरुण कुमार मिश्रा, उपाध्यक्ष संजय उपाध्याय ,सदस्य बद्री राम प्रजापति , संघ के अभिजीत जी, भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव, मुक्ति सेवा संस्थान के संचालक नीरज कुमार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील साहू, युवा नेता पंकज मेहता, विद्यालयों के प्राचार्यगण एवं समिति के अधिकारीगण एवं सरस्वती शिशु विद्या मंदिर , कुम्हारटोली , हजारीबाग के समस्त आचार्य बंधु -भगिनी एवं प्रांत के विद्यालयों से आए हुए भैया- बहन ,संरक्षक आचार्य ,निर्णायकगण आदि उपस्थित थे। प्रांतीय कबड्डी एवं खो - खो खेलकूद प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी आगामी क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेंगे जिसका आयोजन भागलपुर में होगा।

प्रांतीय कबड्डी एवं खो खो खेलकूद प्रतियोगिता-2022 का परिणाम

कबड्डी प्रतियोगिता के बाल वर्ग भैया में प्रथम सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा गिरिडीह ,द्वितीय ,रजरप्पा एवं तृतीय चतरा, बाल वर्ग बहन में प्रथम बरगंडा गिरिडीह ,एवं द्वितीय बरही, किशोर वर्ग बहन में प्रथम बाघमारा, द्वितीय बिंद गांव कर्रा खूंटी एवं तृतीय बरही वही किशोर वर्ग भैया में प्रथम बरगंडा गिरिडीह , द्वितीय बाघमारा एवं तृतीय देवनगर। खो-खो प्रतियोगिता के बाल वर्ग भैया में प्रथम रजरप्पा प्रोजेक्ट, द्वितीय गुमला एवं तृतीय चतरा, बाल वर्ग बहन में प्रथम कुम्हारटोली, . द्वितीय रजरप्पा प्रोजेक्ट एवं तृतीय कैलाशराय तिलैया, किशोर वर्ग भैया में प्रथम महेंद्र मुनी मधुपुर ,द्वितीय गुमला एवं तृतीय बिंदगांव कर्रा खूंटी साथ ही किशोर वर्ग बहन में प्रथम कुम्हारटोली एवं द्वितीय पुरस्कार कैलाश राय तिलैया को प्राप्त हुआ ।

सरस्वती संस्कार केन्द्र महावीर स्थान एवं काली स्थान झोपड़पट्टी के आचार्यों के साथ क्षेत्र सेवा प्रमुख श्री अजय जी द्वारा केन्द्र को सुचारु ढंग से कैसे चलाये जाए। अतिसुंदर मार्गदर्शन प्राप्त

शिशु वाटिका कार्यशाला का समापन

निज संवाददाता

गिरिडीह। बरगंडा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में दो दिवसीय हजारीबाग विभाग का शिशु वाटिका कार्यशाला का समापन हुआ। समापन सत्र का उद्घाटन विभाग प्रमुख ओम प्रकाश सिन्हा,तुलसी प्रसाद ठाकुर, प्रधानाचार्य शिवकुमार चौधरी एवं शिशु वाटिका प्रमुख रश्मि कुमारी ने संयुक्त रुप से दीप जलाकर एवं पुष्प अर्पित किया। कार्यशाला में हजारीबाग विभाग के 10 विद्यालय के 28 आचार्य-दीदी ने रश्मि कुमारी के निर्देशन में दो दिनों तक शिशु वाटिका के विभिन्न पहलुओं पर क्रियात्मक और खेल विधि से बच्चों की सिखाने की कला का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

मौके पर तुलसी प्रसाद ठाकुर, विभाग प्रमुख जमशेदपुर ने कहा कि शिशु वाटिका का अर्थ है आनंद, प्रमोद युक्त व्यवहारिक शिक्षा देना। गर्भाधान से 5 वर्ष तक के बच्चों की शिक्षा जीवन के विकास की एक प्रक्रिया है जो परिवार से शुरू होती है।खेल,गीत,कथाकथन,भाषा कौशल, विज्ञान अनुभव, रचनात्मक कार्य, हस्तकला आदि के माध्यम से बच्चों को शिक्षित करना है। बच्चों में संस्कार का क्षेत्र जीवन विकास की नींव है।यह संपूर्ण जीवन यात्रा का स्तंभ है। विद्या भारती ने अपने शिशु वाटिका में 12 शैक्षिक व्यवस्थाएं की हैं जिसमें चित्र, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, चिड़ियाघर, क्रीड़ांगन, बागीचा प्रदर्शनी, तरणताल,रंगमंच प्रयोगशाला,वस्तु संग्रहालय,घर और कलाशाला आता है।राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी बाल आधारित एवं बस्ता बोझ से मुक्त शिक्षा का वर्णन किया है।

रश्मि कुमारी ने कहा कि विद्यालय में खेल-खेल के माध्यम से बच्चों को अक्षर ज्ञान, दैनिक जीवन में उपयोग में आने वाली वस्तुओं की पहचान करवाना ,ठप्पा से आकृति बनवाना, चित्र बनाना,अंक चार्ट बनाना आदि कार्यों की शिक्षा प्रारंभ काल से दी जानी चाहिए। प्रधानाचार्य शिवकुमार चौधरी ने कहा कि दो दिनों तक चलने वाले कार्यशाला में प्रशिक्षणार्थियों ने शिशु वाटिका निमित जो प्रशिक्षण प्राप्त किए हैं वे अपने-अपने विद्यालय में लागू करें ताकि बच्चों में मानसिक,शारीरिक एवं बौद्धिक विकास हो सके। वंदे मातरम के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

सरस्वती शिशु-विद्या मंदिर, खागा

पूर्व छात्र बैठक , 27-06-2022

बरही : 33वें प्रांतीय कब्बडी प्रतियोगिता में भामाशाह के प्रतिभागियों ने लहराया परचम

बरही | विद्या विकास समिति द्वारा आयोजित 33वें प्रांतीय कबड्डी एवं खो-खो खेलकूद समारोह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हार टोली हजारीबाग में संपन्न हुआ। इस समारोह में भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बरही के 36 भैया बहनों ने भाग लिया। भामाशाह विद्यालय से इस समारोह में कुल 3 टीमें भाग ली। इस समारोह के कबड्डी प्रतियोगिता में बहनों के बाल वर्ग ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बहनों के किशोर वर्ग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतिभागियों को विद्यालय के अध्यक्ष अमित कुमार साहू एवं प्रधानाचार्य रजनीश कुमार पांडेय ने इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए इन्हें ढेर सारी बधाइयां दी। इस प्रतियोगिता के संरक्षक के रूप में रश्मि कुमारी एवं आचार्य रवि शंकर प्रियदर्शी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विद्या समाचार पत्रिका

विद्या भारती, झारखंड के गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाला त्रैमासिक पत्र

सरस्वती विद्या मंदिर

प्रतिनिधि, श्री बंशीधर नगर

मुन्नी कुमारी

नाजिया परवीन

ऋतिक कुमार जायसवाल

सरस्वती विद्या मंदिर के मैट्रिक परीक्षा में सम्मिलित कुल 94 विद्यार्थियों में से सभी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं. विद्यालय की टॉपर मुन्नी कुमारी है. वह गोसाईंबाग निवासी सुरेंद्र विश्वकर्मा की पुत्री है. उसे 95 प्रतिशत अंक मिले हैं. वहीं सरहे गांव निवासी नाजिया परवीन को 94.6 प्रतिशत, पूर्णा नगर निवासी रितिक कुमार जायसवाल को 94.4 प्रतिशत, पूर्णा नगर के सत्यम कुमार जायसवाल को 93.4 प्रतिशत, विशुनपुर निवासी सना सिकंदर को 92.6 प्रतिशत, नगर उंटारी निवासी भूमिका कुमारी एवं पाल्हे कला निवासी अजीत चौबे के पुत्र छायांक सुमन को 92.1 प्रतिशत, हुलहुला कला निवासी सुधांशु कुमार को 91.8 प्रतिशत, चेचरिया के आसिफ अंसारी एवं पूर्णानगर निवासी अजीत कुमार को 90.8 प्रतिशत, सोनडीहा के मयंक यादव को 90.6 प्रतिशत तथा चेचरिया निवासी कृष कुमार को 90.4 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं.

बच्चों को बधाई दी : विद्यार्थियों की इस सफलता पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष जोखू प्रसाद, उपाध्यक्ष डॉ धर्मचंद लाल अग्रवाल, विनय कुमार देव, सचिव रवि प्रकाश, कोषाध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, सह सचिव राज कुमार प्रसाद, अभिभावक प्रतिनिधि अश्विनी कुमार, अशोक कुमार एवं प्रधानाचार्य रविकांत पाठक ने विद्यार्थियों, आचार्यों एवं अभिभावकों को बधाई दी है.

बागबेड़ा शिशु मंदिर में कराया योगाभ्यास

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बागबेड़ा के प्रांगण में योग दिवस मनाया गया। भैया बहनों तथा उनके अभिभावकों ने अनुलोम विलोम, कपाल भाति, भस्त्रिका, प्राणायाम, उष्ट्रासन, मंडूकासन और सामूहिक सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया। मुख्य अतिथि के रूप में नुवोको कंपनी जोजोबेड़ा के सीनियर मैनेजर आलोक आरुख ने सभी को योग के फायदे तथा दैनिक जीवन में कैसे आप योग के माध्यम से तनाव मुक्त रह सकते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विद्यालय प्रबंध कारिणी समिति के अध्यक्ष अरविंद सिंह, समिति सदस्य संदीप गोयल, रामानंद सिंह , विद्यालय के प्रधानाचार्य रंजय कुमार राय ,योग शिक्षक सुधाकर गिरी , आचार्य जी दीदी जी , बड़ी संख्या में भैया बहन तथा उनके अभिभावक उपस्थित रहे। योग के इस कार्यक्रम में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन मध्यम से 485 लोगों ने भाग लिया।

सरस्वती शिशु मंदिर में मेधावी छात्रों का अभिनंदन

भास्कर न्यूज़ | सरायकेला

सरस्वती शिशु मंदिर उच्च विद्यालय सरायकेला के शांतिकुंज में भव्य समारोह के साथ कक्षा दसवीं की माध्यमिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए मेधावी छात्र अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी राजेश साहू, विशिष्ट अतिथि के रूप में सरायकेला नगर पंचायत के उपाध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष सिद्धार्थ शंकर सिंह देव, सचिव रमानाथ आचार्य, उपाध्यक्ष बिष्केशन सतपथी, कोषाध्यक्ष प्रसाद महतो, प्रधानाचार्य पार्थसारथी आचार्य, समिति के सदस्य चिरंजीवी महापात्र और गणेश कुमार सतपति उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य पार्थसारथी आचार्य ने विद्यालय के सर्वोच्च प्रदर्शन के लिए सभी छात्र-छात्राओं को बधाई दी। वहीं, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव रमानाथ आचार्य ने कहा कि आज हमारे विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने जिले में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है। इसमें शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ उनके माता-पिता का विशेष योगदान है। विशिष्ट अतिथि मनोज कुमार चौधरी ने कहा कि बच्चों के सम्मान करने का तात्पर्य उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा और प्रोत्साहन देना है। हमारी संस्कृति को आज विश्व पटल पर स्थान मिला है। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष सिद्धार्थ शंकर सिंहदेव ने बच्चों की उपलब्धि पर उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की। अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी छात्र-छात्राओं के साथ उनके माता-पिता को विद्यालय की ओर से अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। शिक्षिका नीलम के द्वारा मंच संचालन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के उप प्रधानाचार्य तुषार कांत पति ने किया।

पद्मावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, चाईबासा

शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर के टॉपर भैया-बहन सम्मानित

विद्यालय की पढ़ाई ही मेरे जीवन का आधार बनेगी : निशा

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा में माध्यमिक बोर्ड परीक्षा में उच्चतम प्राप्तांक लाने वाले भैया -बहनों का अभिनंदन समारोह आयोजित हुआ। समारोह का शुभारंभ अतिथि द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुमला विभाग के विभाग निरीक्षक अखिलेश कुमार एवं अध्यक्ष शशिधर लाल अग्रवाल ,सचिव अजय प्रसाद, विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य विपिन कुमार दास, महाविद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तम मुखर्जी, संकुल के अन्य शिशु /विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य मनोहर मोदी, प्रमोद कुमार, राजकुमार नाग , एवं सुरेश चन्द्र पाण्डेय मंच पर उपस्थित थे। सफल छात्रों को निरीक्षक, अध्यक्ष ,सचिव एवं तीनों प्रधानाचार्य के द्वारा सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मंच संचालन विष्णु दत्त पांडे ने किया। कार्यक्रम में स्वागत गीत आयुषी एवं सहेलियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। परीक्षा फल का वृत्त अंग्रेजी विषयाचार्या एवं परीक्षा प्रमुख मधुमिता शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। अनुभव कथन में सक्षम जायसवाल ने विद्या मंदिर के विज्ञान प्रदर्शनी को प्रेरक बताया। शिक्षकों के सहयोग की सराहना की। विद्यालय टॉपर बहन निशा मिंज ने अनुभव कथन में कहीं कि विद्यालय की पढ़ाई से मै पूरी तरह संतुष्ट थी। यह संतुष्टि मेरे भविष्य का आधार बनेगी। निशांत कुमार ने अपने अनुभव में बताया कि वहां के शिक्षकों ने हमारी कमियों को पूरा किया और जिज्ञासा को शांत करते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। बतौर मुख्य अतिथि अखिलेश कुमार ने वर्तमान में कक्षा दशम के अध्ययनरत भैया बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व के भैया -बहनों ने जो कीर्तिमान स्थापित किया है ,उसी दिशा में आप सभी अग्रसर हों। उन्होंने एकलव्य ,अभिमन्यु और लव कुश का उदाहरण बच्चों के बीच में रखते हुए उनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। अध्यक्ष शशिधर लाल जी ने अपने वक्तव्य में पाणिनि का प्रसंग उठाते हुए उससे प्रेरणा लेने को कहा। साथ ही निरंतर एकाग्रता के साथ परिश्रम करते रहने की सलाह दी। महाविद्यालय द्वारा भी अपने सफल छात्रों एवं शिक्षिकाओं को सम्मानित कराया गया। धन्यवाद ज्ञापन गोरख पांडे ने किया।

आश्रम विद्यालय, सिसई, गुमला

विद्या भारती के वंदना सभा में समाहित है पांचों केंद्रीय विषय

पांच दिवसीय वंदना संगीत प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पिस्का/नगड़ी : विद्या भारती के वंदना सभा में विद्या भारती के पांचों केंद्रीय विषय समाहित है उक्त बातें विद्या विकास समिति झारखंड के प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी ने विद्या भारती झारखंड के तत्वाधान में आयोजित 22 से 27 जून 2022 तक के वंदना सह संगीत प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र में कही । उन्होंने कहा कि विद्या भारती के विद्यालयों में कोई भी काम हम सरस्वती वंदना से प्रारंभ करते हैं। हमारी वंदना अपने रीति नीति के अनुसार झारखंड के सभी छोटे बड़े विद्यालयों में उत्कृष्टता के साथ हो इस दृष्टि से पांच दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया है। हम इसी प्रकार से हर एक विषयों में उत्कृष्टता के लिए समय-समय पर विभिन्न विषयों के आचार्यों का प्रशिक्षण आयोजित करते हैं ताकि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर हमारे आचार्य अपने विद्यालयों में पहले से बेहतर कार्य कर सकें। इस प्रशिक्षण वर्ग में वंदना पुस्तक के सभी बिन्दुओं के अलावा 3 अखिल भारतीय तथा 6 मासिक गीत का अभ्यास भी कराया गया। समापन सत्र में इस प्रशिक्षण वर्ग का वृत्त विभाग निरीक्षक नीरज कुमार लाल ने प्रस्तुत की वही धन्यवाद ज्ञापन रांची विभाग के विभाग निरीक्षक एवं क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रमुख फनींद्र नाथ झा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से विभाग निरीक्षक एवं क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख अखिलेश कुमार, तुलसी ठाकुर, प्रांत संगीत प्रमुख जितेन्द्र दुबे, सह संगीत प्रमुख रविकांत पाठक , पंकज दुबे के अलावा अलग-अलग विद्यालयों के 96 संगीत शिक्षक उपस्थित थे।

प्रभात मंत्र संवाददाता

मधुबन : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2022 को सरस्वती विद्या मंदिर, सिनीडीह के द्वारा महुदा रेलवे ग्राउंड में योग-प्राणायाम एवं सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभय कुमार तिवारी ए डी ई एन, दक्षिण पूर्व रेलवे महुदा, विशिष्ट अतिथि इंद्र लाल महतो वरिष्ठ अनुभाग अभियंता महुदा एवं जिला परिषद प्रतिनिधि शेखर सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अभय कुमार तिवारी, विशिष्ट अतिथि इंद्र लाल महतो, जिला परिषद प्रतिनिधि शेखर सिंह एवं विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि अभय कुमार तिवारी ने कहा कि भारत ऋषि मुनियों का देश रहा है। महर्षि पतंजलि के द्वारा योग एवं प्राणायाम को प्रचारित एवं प्रसारित किया गया जिसका प्रभाव है कि आज संपूर्ण विश्व भारत के पद चिन्हों पर चल रहा है और योग को अपनाकर निरोगी काया पा रहा है।

संरक्षकः रामअवतार नारसरिया, ख्यालीराम जी, अजय कुमार तिवारी । **परामर्शी :** अखिलेश कुमार।

संपादक : मनोज कुमार। **प्रकाशक :** विद्या विकास समिति, झारखंड, शुक्ला कॉलोनी, हिनू, राँची-834002

: 0651-3512271 , 2251008 : vvs.jharkhand@yahoo.com, vvspv.jharkhand@yahoo.com : vvsjharkhand.org.in